



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 179]
No. 179]

नई दिल्ली, बुधवार, अगस्त 20, 1986/श्रावण 29, 1908
NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 29, 1986/SRAVANA 20, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार निर्यात

सार्वजनिक सूचना सं. 111-आई. टी. सी. (पी. एन.)/85-88

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 1986

विषय:—अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए आयात-निर्यात नीति

फा. सं. 1/3/आई ई पी / 85-ई पी सी :— वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 1-आई टी सी (पी. एन.)/85-88, दिनांक 12 अप्रैल, 1985 के अन्तर्गत प्रकाशित अप्रैल 1985—मार्च 1988 के लिए यथासंशोधित आयात-निर्यात नीति की ओर ध्यान दिलाया जाता है।

2. नीति में निम्नलिखित संशोधन नीचे निदिष्ट उपर्युक्त स्थानों पर किए जाएंगे :—

क्रम सं.	आयात-निर्यात संदर्भ नीति 1985 88 (खण्ड-1) की पृष्ठ सं.	संशोधन
1.	290	पैरा-19 परिशिष्ट-19

1	2	3	4
1.	290	पैरा-19 परिशिष्ट-19	निम्नलिखित को वर्तमान पैरे के बाव जोड़ा जाएगा :— "उत्थापित यह स्पष्ट किया

1	2	3	4
			जाता है कि यदि इस स्कीम के अन्तर्गत आवेदक के पास पहले से ही प्रेषण के पहुंचने की तारीख को लाईसेंस में आनेवाली खुले सामान्य लाईसेंस की मदों का आयात करने के लिए वैध लाईसेंस है तो ऐसी मदों सीमा शुल्क प्राधिकारियों द्वारा अनुमत होने से पहले माल की सीमा शुल्क बांड पर रखने के बिना ही अनुमत कर दी जाएगी।"
2.	292	उप-पैरा 29(3) परिशिष्ट-19	निम्नलिखित को उप-पैरा 29(3क) के रूप में जोड़ा जाएगा :— "29 (अ) उपर्युक्त उप-पैरा 3 में निहित प्रावधानों के बावजूद भी उन सभी मामलों में जहाँ पर अनिवार्य बाध्यता स्थिति

1	2	3	4	1	2	3	4
			में लाईसेंस धारक आपने नियंत्रण से बाहर परिस्थितियों में निर्धारित नियमित आभार को पूरा करने में असफल रह जाता है, तो ऐसे मामले में सम्बद्ध लाईसेंस प्राधिकारियों को ऐसे सभी मामले मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात को भेज देने चाहिए। ऐसे मामलों में, मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात के पूर्ण अनुमोदन के बिना कोई भी दण्डनीय कार्यवाही नहीं की जानी चाहिए।				“It is, however, clarified that in case the applicant is already in possession of a valid licence under this scheme for import of OGL items covered by the licence, on the date of arrival of the consignment, then such items will be cleared by the Customs without insisting on keeping the goods in the Customs Bond before clearance.”
3.	305	परिशिष्ट-1 से परिशिष्ट-19	निम्नलिखित को उचित शीर्षकों के अन्तर्गत इस प्रकार से जोड़ा जाएगा :—	2.	292	Sub-para 29 (3) Appendix-19	The following shall be added as sub-para 29 (3-A):—
		(1)	(2)				
			“142 पेन प्वाइंट प्रणाली 98.03/09” (निब प्वाइंट्स)				“29(3-A) Notwithstanding the provisions contained in the sub-para 3 above, all the cases involving force-majeure situation wherein the licence holders fail to discharge the prescribed Export Obligation due to circumstances beyond their control, the Licensing Authorities concerned should refer all such cases to CCI&E. In such cases, no penal action should be initiated without the prior approval of CCI&E.”
			3. उपर्युक्त संशोधन सार्वजनिक हित में किए गए हैं। राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात				
			MINISTRY OF COMMERCE IMPORT TRADE CONTROL PUBLIC NOTICE NO. 111—ITC(PN)/85—88 New Delhi, the 20th August, 1986. Subject :—Import & Export Policy for April 1985—March 1988. F. No. 1/3/IEP/85-EPC:—Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1985-March 1988, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)/85—88 dated the 12th April, 1985 as amended. 2. The following amendments shall be made in the policy at appropriate places indicated below:	3.	305	Annexure-1 to Appendix-19	The following shall be added at the end under the appropriate headings as under :
							(1) (2) (3)
							“142. Pen Point 98.03/09” Alloy (Nib Points)
Sl. No. of Import and Export Policy, 1985—88 (Vol. I)	Page No.	Reference	Amendments				
1.	290	Para-19 Appendix-19	The following shall be added at the end of the existing para :—				
							3. The above amendments have been made in public interest. R. L. MISRA, Chief Controller of Imports & Exports.